NASA में भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षित करेगा अमेरिका

स्रोत: द हिंदू

राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (National Aeronautics and Space Administration- NASA) ने कहा है कि वह भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगा, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (International Space Station- ISS) पर एक संयुक्त परियोजना शामिल होगी जिसमें एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री भी शामिल होगा।

- दोनों देशों ने **मानव अंतरिक्ष उड़ान सहयोग के लिये एक रणनीतिक रूपरेखा** तैयार की है, जिसमें नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (Indian Space Research Organisation- ISRO) अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण देना शामिल होगा।
- दोनों देश **लूनर गेटवे कार्यक्रम** में भारत की भागीदारी के लिये भी अवसर तलाश रहे हैं, जो अमेरिका के नेतृत्व में **सहयोगात्मक** आर्टेमिस कार्यक्रम का हिस्सा है।
- अमेरिका और भारत नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार **(NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar- NISAR)** के प्रक्षेपण की भी तैयारी कर रहे हैं। यह एक संयुक्त रूप से विकसित उपग्रह है जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के तहत **हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की सतह का संपूर्ण मानचित्र** तैयार करेगा।
- महत्त्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी **(initiative on Critical and Emerging Technology- iCET)** पर भारत-अमेरिका पहल मई 2022 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्द्धचालक, महत्त्वपूर्ण खनिज, उन्नत दूरसंचार और रक्षा क्षेत्र जैसी महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग स्थापित करना है।
  - iCET संवाद 17 जून, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें अमेरिकी अंतरिक्ष बल ने भारतीय स्टार्टअप **114ai और 3rdiTech के** साथ साझेदारी की।

और पढ़ें: NISAR मिशन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/us-to-train-indian-astronauts-at-nasa